

**Shrimati Yashoda Reddy:** After the fall of the Bandaranaike Government in Ceylon, may I know if our agreement with Ceylon gets automatically nullified, or is there any interim arrangement?

**Shri Dinesh Singh:** No, Sir. It does not get nullified. I explained this to the House last time.

अश्लील फिल्मों तथा पोस्टर्स का प्रदर्शन

+

- \*593. { श्री हुकम चन्द कछवाय :  
श्री श्रींकार लाल बेरवा :  
श्री बड़े :  
श्री यु० सि० चौधरी :  
श्री श्रींकार सिंह :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने उन फिल्मों तथा पोस्टर्स का सार्वजनिक प्रदर्शन रोकने के लिये क्या कदम उठाये हैं, जिनका देखने वालों पर चारित्रिक दृष्टि से बुरा प्रभाव पड़ता है ?

**सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) :** चलचित्र अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत कोई भी फिल्म ग्राम लोगों में नहीं दिखाई जा सकती, जब तक कि, उसे फिल्म सेंसर बोर्ड इस योग्य प्रमाणित न कर दे। बोर्ड इस बात की तसल्ली कर लेता है कि कोई भी ऐसी फिल्म न दिखाई जाये जिसके देखने से लोगों का चरित्र गिरे।

जहाँ तक पोस्टर्स का सवाल है, एक अनौपचारिक समिति है जिसके सामने निर्माता अपनी मर्जी से सेंसर के लिये फिल्म सामग्री को (जिसमें पोस्टर भी शामिल हैं) पेश करते हैं। इस समिति के अध्यक्ष फिल्म डिवीजन के कन्ट्रोलर हैं और फिल्म उद्योग के प्रतिनिधि इसके सदस्य हैं। सरकार ने राज्य सरकारों को लिखा है कि वे मौजूदा कानूनों के अन्तर्गत अश्लील पोस्टर्स के खिलाफ मुनासिब कार्रवाई करें। इस बात की भी

जांच की जा रही है कि इस विषय पर जो मौजूदा कानून हैं, उनमें संशोधन की जरूरत है या नहीं।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या मंत्री महोदय का ध्यान उन कुट्ट गन्दी फिल्मों की ओर गया है जिनमें अश्लील गाने होते हैं और उन गानों का प्रयोग कुछ लड़के छात्रागणों पर करते हैं और इस तरह की घटनाएँ अनेक समाचार पत्रों में छपी भी हैं कि उनको इस शरारत के लिये दण्ड मिला है, तो क्या हमारी सरकार ऐसे अश्लील गानों को समाप्त करने जा रही है ?

**The Deputy Minister in the Ministry of Information and Broadcasting (Shri C. R. Patlabhi Raman):** The position with regard to films, including songs, is different from the posters. Under the Cinematograph Act, they have got a regular censorship, and various provisions are there, with which I will not tire the House. So far as the posters are concerned, it is true that some of them contain pictures which you may not see even in the picture itself. That is to say, they have got no sort of control, and therefore, we may even think of amending the Act. Pending that, we have written to the various State Governments, and we have got this informal committee, as the hon. Minister has pointed out, with seven members, who periodically go into these posters.

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** मंत्री महोदय ने बतलाया है कि इसके लिए सात सदस्यों की एक समिति नियुक्त की गई है तो उन सदस्यों के नाम क्या हैं और क्या यह मसख ऐसे अश्लील पोस्टर्स पर भी ध्यान दे रहे हैं जो कि बिल्कुल नग्न चित्र होते हैं और जिसके कारण लोगों में एक गन्दा विचार पैदा होता है ? क्या उस सम्बन्ध में सरकार कुछ कठोर दण्ड देने का भी इंतजाम कर रही है ताकि ऐसे चित्र फिल्म निर्माता न निकालें ?

**सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) :** जैसा कि मैंने कहा था हमने यह उचित समझा था कि यह जो फिल्म इंडस्ट्री है इस पर वह खुद सेंसरशिप अपनी करे बजाय इसके कि हम बाहर से करें लेकिन तब भी हमने सब राज्य सरकारों को लिखा है कि वे इस चीज पर ध्यान दें और अगर वे ऐसा सोचती दें कि जो नियम अभी हैं वे काफी नहीं हैं तो हम उन्हें बदलने का विचार कर सकते हैं ।

**श्री अंकार लाल बेरवा :** जब से यह सेंसर बोर्ड बना है तब से किन किन फिल्मों पर इन्होंने रोक लगाई है ?

**श्रीमती इन्दिरा गांधी :** वह सब डिटेल्स तो मेरे पास मौजूद नहीं हैं लेकिन खरीब करोड़ सभी फिल्मों में से कुछ न कुछ कटता ही है, कुछ में से तो काफी कटता है ।

**Shri S. N. Chaturvedi:** May I know whether any action has followed after Shri Vinoba Bhawe started the movement against indecent posters being exhibited in public places?

**Shrimati Indira Gandhi:** I have just now said that we have approached all the State Governments to look into this matter.

**श्री राम सहाय पाण्डेय :** अश्लील भारतीय चित्रों, पोस्टरों, भाषा और अभिनय के सम्बन्ध में कुछ प्रतिबंध लगाया जा सकता है जैसा कि सोचा जा रहा है तो मैं जानना चाहता हूँ कि कुछ चित्र जोकि विदेशों से यहां पर आते हैं और यहां पर डिसप्ले होते हैं वे हमारे भारतीय दृष्टिकोण से जहां अश्लील होते हैं वहां उनके अर्थात् विदेशियों के लिए शील हैं तो इस सम्बन्ध में क्या उनके बारे में भी विचार किया जा सकता है ?

**श्रीमती इन्दिरा गांधी :** वह भी सेंसर बोर्ड को जाते हैं । बिना सेंसर हुए तो कोई भी चित्र यहां भारत में नहीं दिखलाया

जाता है । पोस्टर भी जिनका कि वह अश्लील और इसलिए गलत और अनुचित समझते हैं तो उन के लिए भी वह कार्यवाही कर सकता है ।

**Shri Kapur Singh:** I want to know whether the Government are quite clear in their mind as to what types or categories of exhibitions intrinsically tend to lower the morale of the beholder, or is it a question on which much can be said on both sides?

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** There are a few categories and if I may, with your leave refer to them, they are as follows. A film shall not be certified as suitable for public exhibition, either unrestricted or restricted to adults, if it deals with vice or immorality in such a manner as to (i) extenuate vicious or immoral acts; (ii) undermine the accepted canons of decency; (iii) depict vice or immorality as attractive or (iv) cast a halo of success or glory round the vicious or immoral.

**Mr. Speaker:** Even after this much can be said on both sides.

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** मंत्री महोदया ने जिस प्रकार बताया कि अश्लील फिल्मों और पोस्टरों में कुछ सुधार हो सकता है इस सम्बन्ध में विचार किया जायेगा । जहां तक मेरी स्मरण-शक्ति काम कर रही है अब से कई वर्ष पूर्व इसी मंत्रालय के भूतपूर्व मंत्री डा० केसकर ने भी फिल्म सेंसर बोर्ड को अधिक प्रभावशाली करने के सम्बन्ध में इस सदन को आश्वासन दिया था । मैं जानना चाहता हूँ कि उस सम्बन्ध में पहले क्या निर्णय लिये गये और फिर से इस प्रश्न पर विचार करने की क्यों स्थिति आ गई ?

**श्रीमती इन्दिरा गांधी :** यह तो एक ऐसा सवाल है जिस पर हर वक्त विचार करते जा सकते हैं, क्योंकि फिल्म बदलते रहते हैं । यह कोई एक दफे निश्चय लेने की बात नहीं है । मैं माफ़ी चाहती हूँ कि डा० केसकर ने

क्या आर्डर दिया था वह मुझ को नहीं मालूम है ।

**श्री विभूति मिश्र** मैं जानना चाहता हूँ कि यह जो 7 सदस्यों का एक कमेटी नियुक्त की गई है उस के बजाय हमारी सरकार के सदस्य और हमारे मंत्री लोग यहां दिल्ली में रहते हैं तो यह लोग कम से कम यहां दिल्ली में अंग्रेजी व हिन्दी चित्रों को सब से पहले देख लिया करें, सम्पुल सर्वे कर के अपना निर्णय लें कि किस प्रकार के चित्र बनाये जायें ताकि हमारे देश के बच्चों और युवकों का अश्लील कंचा उठे ?

**श्रीमती इन्दिरा गांधी** : अब उस का तो कोई जवाब है नहीं, सिर्फ मुझाव है ।

**श्री यशपाल सिंह** : क्या यह सच नहीं है कि यह सेंसर बोर्ड तो बाद में बैठता है लेकिन उस के बैठने के महीनों पहले हाफ नैकेंड पिक्चर्स बाजारों में आ जाते हैं और चौराहों को कलंकित करते हैं ?

**श्रीमती इन्दिरा गांधी** : मैं ने तो ऐसा नहीं सुना है ।

**अध्यक्ष महोदय** : ठाकुर साहब ऐसी तस्वीरों को देखते ही क्यों हैं ? उधर उनको नजर नहीं डालनी चाहिए ।

**Shri Nambiar**: May I know whether Government's attention has been drawn to the very bad type of American pictures which are being shown in India and if so what action is proposed to be taken in order not to allow such films?

**Shrimati Indira Gandhi**: I have already stated that all these films pass through the censor board.

**Shrimati Savitri Nigam**: May I know whether it has been brought to the notice of the hon. Minister that some of the films and posters have been stripped and the films are enlarged and new strips have been added to them after they have passed

through the Censor Board and the meeting of the advisory committee?

**Shrimati Indira Gandhi**: I have not heard of it.

**Shri M. B. Krishna**: May I know whether it is a fact that some of the films which are meant purely for the young men are often seen by the old people, and therefore.. (Laughter).

**Mr. Speaker**: Order, order. Where does the hon. Member put himself?

**Shri D. C Sharma**: It is a reflection on you and some other Members!

**Mr. Speaker**: Order, order. I will allow some old men also to put questions!

**Shri Hem Barua**: In view of the fact that our ancient religious cultures have amply established that there is nothing obscene in life and the so-called obscene postures in the temples of Puri and Khajuraho have the effect of a catharsis in the minds of the viewers and also, according to Shrimati Indira Gandhi, the topless originated in India, may I know in the context of this, why our Government are so much unnecessarily perturbed about a few naked things in a few pictures?

**Shri Kapur Singh**: I said the same thing.

**Shri Hem Barua**: What is the reply, Sir?

**Mr. Speaker**: Shri Kapur Singh says that he has put the same question and the answer has come.

**Shrimati Yashoda Reddy**: May I know whether the attention of the Government has been drawn to the fact that the Hindi pictures, compared to Bengali, Telugu and Tamil pictures, have deteriorated both in their production and moral content and, if so, what is the action that Government propose to take in the matter?

**Shrimati Indira Gandhi**: I do not think that this is a true statement.

श्री ए० ए० बाबूपाल : कुछ माननीय सदस्यों ने अंग्रेजी चल-चित्रों का जिक्र करते हुए बताया है कि वे अश्लील हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या वे चित्र खजुराहो में अंकित हमारी प्राचीन संस्कृति के चित्रों में बढ़िया हैं या घटिया।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य जा कर मुकाबला कर लें।

#### Pact for Non-Dissemination and Non-Acquisition of Nuclear Power

\*594. **Shri Hem Barua:** Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that in supporting India's decision not to manufacture an atom bomb, Britain's Minister for Disarmament, Lord Chalfont, has suggested two things: (i) a non-dissemination agreement by the Nuclear Powers and (ii) a non-acquisition pact by the non-nuclear Powers; and

(b) if so, Government's reaction to these suggestions?

**The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon):** (a) Government have seen press reports of such a statement having been made by the British Minister of State for Disarmament.

(b) The decision of the Government of India to refrain from the manufacture of nuclear weapons is in keeping with Government's basic opposition to their existence and dissemination. Government have consistently drawn attention to the urgent need for the conclusion of a non-proliferation agreement which will provide for commitments by nuclear powers regarding non-transfer of nuclear weapons and technology, and also for obligations by non-nuclear powers regarding non-manufacture and non-acquisition of nuclear weapons and technology.

**Shri Hem Barua:** May I know if the attention of the Government has been drawn to the latest statement made by the British Prime Minister, Mr. Harold Wilson, which suggests a V-bomber fleet with nuclear teeth for police work outside the NATO area and, if so, may I know how far this suggestion of the British Prime Minister corresponds to our Prime Minister's suggestion of a nuclear shield for us, and if it does not, what is the reaction of the Government to this new proposal of the British Prime Minister?

**Shrimati Lakshmi Menon:** Government have seen the statement. The Prime Minister has never made any statement regarding nuclear shield.

**Shri Hem Barua:** I want to know positively from the Government, when there is a suggestion made by the British Prime Minister about a V-bomber fleet....

**Mr. Speaker:** The hon. Member might kindly put a simple, straight question.

**Shri Hem Barua:** It was very simple, Sir.

**Mr. Speaker:** It is difficult for me to understand.

**Shri Hem Barua:** I will put it in a simpler way. The British Prime Minister, Mr. Harold Wilson, has come out with a statement and that statement stipulates a V-bomber fleet with nuclear teeth for police work outside the NATO area. This is a new development. And therefore, I just wanted to know what is our Government's reaction to this latest suggestion made by the British Prime Minister.

**Shrimati Lakshmi Menon:** Government have not expressed their reaction.

**Shri Hem Barua:** May I know if the attention of the Government is drawn to the query of Mr. Harold Wilson in the House of Commons to the Leader of the Opposition, which